भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1910

दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

.....

माजुली द्वीप में कटाव और भूमि हानि

1910. श्री गौरव गोगोई:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को माजुली द्वीप में कटाव पर हाल ही में किए गए अध्ययन के निष्कर्षों की जानकारी है, जिसमें वर्ष 1986 से ब्रह्मपुत्र के किनारे 75 वर्ग किलोमीटर भूमि की हानि और 58 वर्ग किलोमीटर भूमि के जमाव की रिपोर्ट दी गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या अध्ययन में सुबनसिरी-ब्रह्मपुत्र संगम और कमलाबाड़ी को मुख्य संवेदनशील कटाव क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कटाव को रोकने के लिए किन विशेष संरक्षण और पुनर्स्थापन उपायों की योजना बनाई जा रही है या कार्यान्वयन किया जा रहा है; और

(घ) क्या सरकार माजुली और असम में इसी तरह से प्रभावित अन्य नदी द्वीपों के लिए दीर्घकालिक, समुदाय-समावेशी कटाव प्रबंधन रणनीति पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): जी हाँ, ब्रह्मपुत्र बोर्ड द्वारा केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस), पुणे को "ब्रह्मपुत्र नदी, असम के किनारे माजुली द्वीप के लिए उपग्रह चित्रों के आधार पर संभावित कटाव स्थलों की पहचान" नामक एक डेस्क-अध्ययन का कार्य सौंपा गया था। इस अध्ययन में नदी के प्रवाह के व्यवहार, तटरेखा की स्थिति में बड़े बदलावों, और कटाव एवं निक्षेपण पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए वर्ष 1986 से 2023 तक के उपग्रह चित्रों का उपयोग किया गया था।

अध्ययन के अनुसार, अध्ययन अवधि (1986-2023) के दौरान विशेष रूप से कटोनी गांव ना सातरा से बनपुरई तक फैले हुए मेजर चापोरी एनसी में सुबनसिरी और ब्रह्मपुत्र के संगम के पास के क्षेत्र में निरंतर कटाव देखा गया था। इसके अलावा, वर्ष 2018-2023 के दौरान रतनपुर मिरी गांव से कथल खोवा पाम के बीच अधिक निक्षेपण देखा गया, जबकि कमला बारी के आसपास के क्षेत्र में शुरुआत में कटाव और जमाव हुआ। वर्ष 2021 से 2022 की अवधि के दौरान कमला बारी के पास लगभग 27.47 वर्ग किमी का अत्यधिक निक्षेपण देखा गया। समग्र रूप से, माजुली द्वीप के विभिन्न हिस्सों से लगभग 75 वर्ग किमी का क्षेत्र

कटाव हुआ है, और माजुली द्वीप में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे लगभग 58 वर्ग किमी क्षेत्र में तलछट निक्षेपण हुआ है।

(ग): ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने वर्ष 2004 से माजुली द्वीप के संरक्षण के लिए निर्माण कार्य कार्यान्वित किए हैं। इसने विभिन्न चरणों में बाढ़ शमन और कटाव संरक्षण कार्यों का कार्यान्वयन किया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	योजना का नाम	अनुमानित लागत (करोड़ में)	अभ्युक्ति
1.	तत्काल उपाय	6.22	पूर्ण (जनवरी 2004 से फरवरी 2005 तक)
2.	चरण-I	56.07	पूर्ण (मार्च 2005 से अप्रैल 2011 तक)
3.	आकस्मिक कार्य	4.99	पूर्ण (2008)
4.	चरण -II और III	115.99	पूर्ण (मार्च 2018)
5.	ब्रह्मपुत्र नदी की बाढ़ और कटाव से माजुली द्वीप की सुरक्षा चरण IV	233.57	पूर्ण (2024)

हाल ही में, ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने 56.34 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 'ब्रह्मपुत्र नदी की बाढ़ और कटाव से माजुली द्वीप की सुरक्षा (चरण-V)' नामक परियोजना का कार्यान्वयन शुरू किया है, जिसका उद्देश्य द्वीप के ऊपर के महत्वपूर्ण हिस्सों में कटाव को रोकना है। इस परियोजना में मुख्य रूप से माजुली द्वीप के कई संवेदनशील स्थानों पर पीएससी पोर्सुपाइनस का उपयोग करके तट संरक्षण उपायों के कार्यान्वयन का कार्य शामिल है।

(घ): 84वीं ब्रह्मपुत्र बोर्ड बैठक के दौरान हुई चर्चा के अनुसार, ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने आईएनटीएसीएच के सहयोग से, "ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय द्वीपों के लिए नीति निर्माण" शीर्षक से एक व्यापक अध्ययन शुरू किया है, जिसमें 30 से अधिक नदी द्वीपों को शामिल किया गया है, जिसमें कटाव-प्रवण नदी द्वीपों के सतत प्रबंधन के लिए नीति-संचालित और समुदाय-समावेशी दृष्टिकोण के साथ माजुली द्वीप पर विशेष बल दिया गया है।

******